OM-4- 2021 FINAL FILE_Page 1 and 2 26/04/2021 1:55 PM Page 9

समय को बदलें अवसर में

जिस ढंग से श्री कृष्ण ने अर्जुन को गीता सुनाई थी, वह अपने आपमें एक शास्त्र बन गई। एक बार हनुमान जी ने अर्जुन से कहा था कि मैं तुम्हारे रथ की ध्वजा पर विराजमान रहूँगा। अर्जुन बोले मैं तैयार हूँ। तब श्री कृष्ण ने कहा था - हनुमान की यह बात फिर कभी ध्यान में रखेंगे। श्री कृष्ण ने कहा 'अभी' और 'कभी' का मतलब समझे! बहुत सारी बातें अभी करनी पड़ती हैं और बहुत सारी बातें 'फिर कभी' पर छोड़ देनी पड़ती हैं। जब युद्ध का समय आया तो कृष्ण ने अर्जुन से कहा वह 'कभी' का समय आ गया है। अब हनुमान से निवेदन करो कि आकर ध्वजा पर बैठे। उस समय

कृष्ण, अर्जुन और हनुमान के बीच सत्संग हुआ था, उसने विजय की इबारत लिखी थी।

हम सभी जानते हैं कि हर किसी की ज़िन्दगी में कोई न कोई मुश्किल, कोई न कोई परेशानी, कोई न कोई परिस्थिति इंसान को परेशान करती है, या कर रही है। जिसको देखो हर कोई अपने जीवन की शिकायत करता रहता है कि मेरा जीवन ऐसा है, मुझे ये परेशानी है, मुझे ये दुःख है। अब हरेक इंसान की यही मांग है कि हमें शांति चाहिए, चैन की ज़िन्दगी चाहिए, सुखी जीवन चाहिए। सभी इससे निकलना चाहते हैं। परन्तु कोई भी ये नहीं जानता कि इससे निकला कैसे जाये। इन परेशानियों का कारण क्या है? जिसकी वजह से हरेक इंसान की ज़िन्दगी में कहें या मन मस्तिष्क में कहें उथल-पुथल मचा रखी है। छोटी-सी बात में मन हलचल में आ जाता है। क्योंकि किसी के अन्दर इतनी सहनशक्ति नहीं रही, जिससे वो हर मुश्किल का, हर परिस्थिति का सामना आसानी से, खुशी से कर सके। अपनी ज़िन्दगी में हर मुकाम हासिल कर सके। लेकिन अब हरेक के सामने ये प्रश्न बना हुआ है कि वो इससे निकले तो कैसे निकले!

हम अपने कार्य व्यवहार में आते कितने लोगों से मिलते हैं, तरह-तरह की इनफॉर्मेशन हमें मिलती है उनके द्वारा। निगेटिव भी और पॉज़िटिव भी। परंतु आज के टाइम में इंसान पॉज़िटिव इनफॉर्मेशन को डाइजेस्ट नहीं कर पाता, तो वो निगेटिव इनफॉर्मेशन को अपने अन्दर आसानी से ले लेता है। जिससे वो हलचल में आता है। इन दो कानों के द्वारा ही हम इधर-उधर की बातें सुनते रहते हैं और इनफॉर्मेशन इक्ट्ठी करते रहते हैं। इन सबसे अगर हम निकलना चाहते हैं, तो हमें इस बात पर खास ध्यान देना होगा कि ये जो हमारे दो कान हैं, इनके ये जो दो द्वार हैं उनमें हमें फिल्टर लगाना होगा। अब आप सोच रहे होंगे कि कानों में फिल्टर! अब वो कौन-सा फिल्टर है? हम आपको बता दें कि वो फिल्टर है परमात्म सत्संग रूपी फिल्टर(हनुमान)।

अब बहुत से लोग ये भी कहते हैं कि सत्संग के लिए हमारे पास समय कहाँ है, या अभी हमारा समय नहीं आया सत्संग करने का। जैसा कि ऊपर श्री कृष्ण और अर्जुन के संवाद में 'अभी' और 'कभी' की बात कही। हमने कई बार ये भी सुन रखा है कि 'ज़िन्दगी जब तक रहेगी फुरसत ना मिलेगी काम से...'।

अब बात ये आती है कि ये तय कौन करेगा कि वह 'अभी' ही उचित समय है। ये हमें ही तो तय करना होगा ना, हमें ही अर्जुन बनना होगा और अभी ही। अन्तर्मुखी होकर अंतरात्मा को सुनें। महीनता से जानें, समझें। हम सभी ब्रह्मावत्स ने परमात्मा के द्वारा कई बार सुना है कि वह समय 'अभी' ही चल रहा है। इसी समय हम अर्जुन बन परमात्मा शिव के साथ जीयें। हनुमान को अपनी कर्ण रूपी ध्वजा पर बिठायें। 'अभी' ही तय कर, शिव परमात्मा के संग का रंग चढ़ायें। आत्म चिंतन कर अपनी आत्मा की ऊर्जा को बढ़ायें। जिससे हम परमात्मा के निर्देशन को स्पष्ट कैच कर सकें। ताकि जो परमात्मा का कहना है वो हम कर सकें क्योंकि उसी में ही हमारा कल्याण है। वो ही हमारा सारथी है। और दोनों के बीच चलने वाले सूक्ष्म संवाद से निकलने वाले मीठे, मधुर अमृत को बार-बार पीयें।

इसीलिए आप अपने और परमात्मा के साथ संवाद को जारी रखें, उस अमृत को एक बार नहीं, दो बार नहीं परंतु सात बार... पंद्रह बार पीयें। फिर उन्हें अपनाकर जीयें। उससे निकटता की अनुभूति करें। जब आप इस तरह भीतर के सूक्ष्म तार शिव से जोड़ने में कामयाब हो जायेंगे, तो उनका रंग बिना चढ़े नहीं रह पायेगा। और जहाँ शिव है वहाँ स्वर्स्व है ही है, जो आप चाहते हैं।

इतना ही नहीं आप विजयी ही होंगे। कहते हैं ना जिसका साथी है भगवान....! तो फिर घबराने की बात ही कहां रह जाती है। क्योंकि शिव के संग के अनुभवी जो बन गये। अनुभव की ताकत सबसे बड़ी ताकत है। क्योंकि अनुभवी को कोई भी परिस्थिति विचलित नहीं कर सकती। अनुभव से जब हम ताकतवर हो जायेंगे तो सामने वाले को हराना भी मुश्किल नहीं होगा।

अभी इस कोरोना काल ने हमें एक और अवसर दिया है, भीतर की ताकत का अनुभव करने का। हम चाहें या न चाहें फिर भी एकांत का समय मिल रहा है। इस एकांत में स्वयं की एकाग्रता को बढ़ाएं। अपने भीतर की ताकत को पहचानें, उनको संवारे और शक्तिशाली हो जायें। क्या सोच रहे हैं! सोचते-सोचते तो यह स्वर्णिम समय हाथ से निकल जायेगा। तो देरी किस बात की! अपनी प्लैनिंग स्वयं बनायें और हर पल को जीयें। हमें जीवन मिला ही है जीने के लिए न कि हर परिस्थिति में हार खाकर मरने के लिए। परमात्मा का सार अपनाकर आप अर्जुन बन जायें। ठीक है ना! बस करने लग जायें- परिणाम सुखद होगा।

! यह जीवन है !

अगर हम चाहते हैं कि हम सबके प्रिय बनें तो हमेशा अपने स्वभाव को शांत बनाएं और सभी के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करें, क्योंकि क्रोध तो दूध के एक उबाल जैसा होता है। जब तक आग रहेगी तब तक दूध उबलेगा, लेकिन जब आग ठंडी पड़ जाएगी तो दूध भी बैठ जाएगा। क्रोध आने का मुख्य कारण ये भी है कि जब हम किसी से अपेक्षा रखते हैं, लेकिन अपेक्षा की जगह उपेक्षा होती है तो क्रोध आता है।

अतः जब हम किसी से अपेक्षा नहीं रखेंगे, तो फिर हमें कोई भी क्रोध नहीं दिला सकता। और अगर हम अपने दिमाग की गर्मी हटाएं और जुबान में नरमी लाएं तो परिवार सुखद हो जाए। तो आइए हम क्रोध मुक्त बनें और नम्रता का गुण धारण करें। अपने बड़ों के सामने झुकना सीखें।

जालंधर-आदर्श नगर(पंजाब)। ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र के नये भवन के शिलान्यास कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जालंधर के मेयर जगदीश राज एवं उनकी धर्मपत्नी अनीता राज,काउंसलर को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. भारत भूषण,पानीपत हरियाणा, क्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु. कृष्णा दीदी, ब्र.कु. ज्योति बहन, ब्र.कु. लक्ष्मी बहन, ब्र.कु. उषा बहन तथा ब्र.कु. तृप्ति बहन।

रतलाम-पत्रकार कॉलोनी(म.प्र.)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 'नारियों का सम्मान' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए रेलवे स्टेशन अध्यक्षा माया गुप्ता, पूर्व प्राचार्या अनिला कंवर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सरस्वती सिंह, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सविता बहन तथा अन्य।

फरीदाबाद-से.21-डी.। महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में मथुरा से आये इस्कॉन टेम्पल के साधु गण। जिनमें से मुख्य श्री भक्ति वेदांत माधव महाराज जी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. प्रीति बहन।

सारंगपुर-म.प्र.। दादी जानकी जी के पुण्य स्मृति दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के पश्चात चित्र में राज्य कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष धर्मेन्द्र वर्मा, वरिष्ठ समाजसेवी मांगीलाल सोलंकी, नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी नरेंद्र मकोडिया तथा सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. भाग्यलक्ष्मी।

खिलचीपुर-म.प्र.। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. नीलम, ब्र.कु. सीमा द्वारा सर्राफा जिला उपाध्यक्ष संगीता, वैश्य समाज की अध्यक्षा अलका गुप्ता, वैश्य समाज के कोषाध्यक्ष सुधा भण्डारी, पूर्व पार्षद ज्योति मालाकार, लक्ष्मी दांगी को ईश्वरीय सौगात भेंट कर सम्मानित किया गया।

कोटा-राज.। महाशिवरात्रि एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. उर्मिला दीदी द्वारा समाज सेवी से लेकर अन्य धर्मों एवं वर्गों की 30 महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि महापौर मंजू मेहरा, उपमहापौर पवन मीना, समाज सेवक एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की अध्यक्षा हेमलता गांधी, समाज सेवा राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित भुवनेश गुप्ता आदि का भी सम्मान किया।